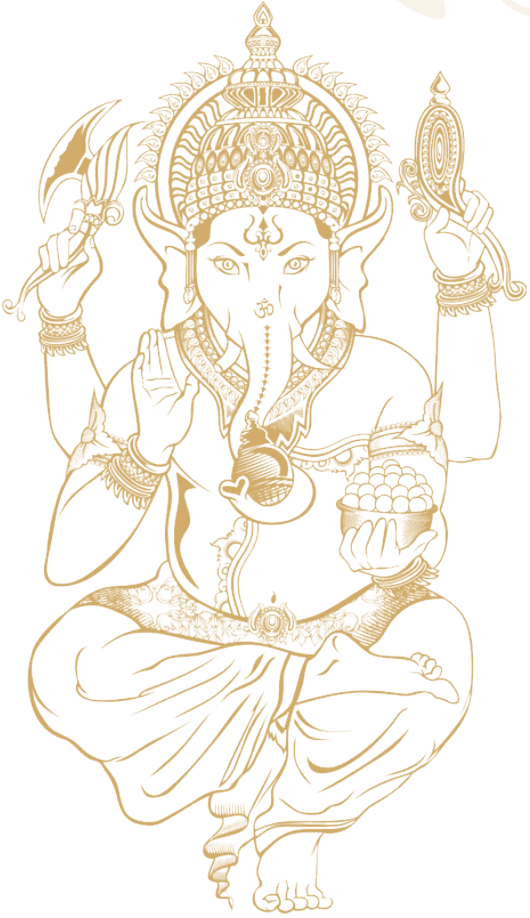

Jitendra sharma

16 Oct 1991

04:00 AM

Dibai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121661103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/10/1991**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	54:16:52 घटी
स्थान	**Dibai**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:13:00 उत्तर
रेखांश	78:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:43:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	05:18:48 घंटे
सूर्योदय	06:17:15 घंटे
सूर्यास्त	17:48:19 घंटे
दिनमान	11:31:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:19:26 कन्या
लग्न के अंश	27:09:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:09:19	318:33:37	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	28:19:26	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	00:33:16	11:48:15	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	05:40:27	00:40:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	तुला	06:49:19	01:36:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:58:25	00:10:55	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	13:06:19	00:49:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			मक	06:32:40	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	19:53:33	00:00:07	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	19:53:33	00:00:07	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	नीच राशि
हर्ष			धनु	16:23:18	00:01:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप			धनु	20:20:56	00:00:39	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	25:26:26	00:02:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			वृष	26:47:27	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:48

लग्न-चलित

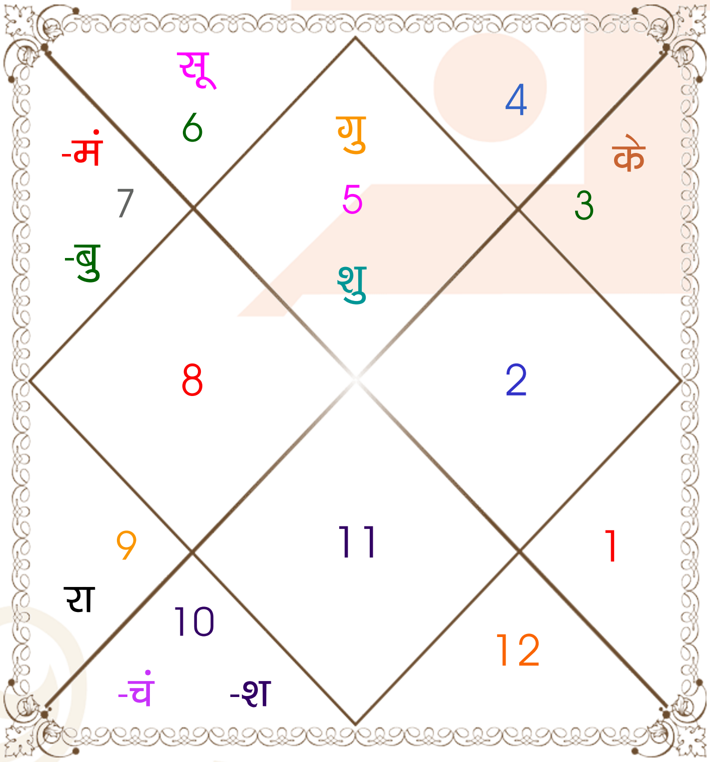

चन्द्र कुंडली

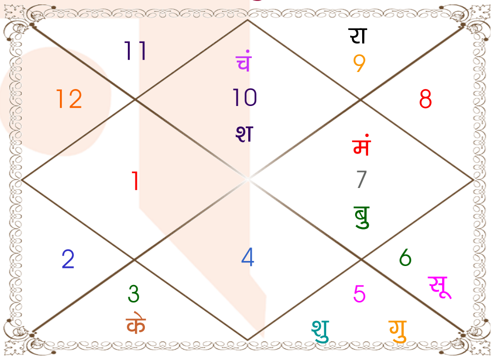

नवमांश कुंडली

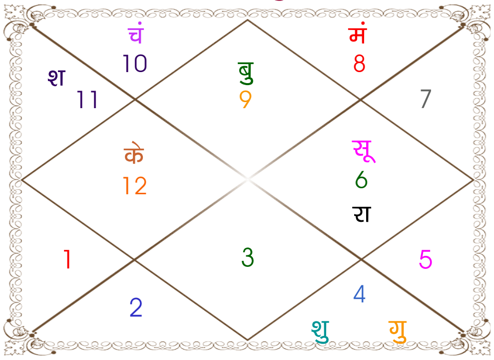

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 3 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/10/1991		15/01/1996		15/01/2006		14/01/2013		15/01/2031	
15/01/1996		15/01/2006		14/01/2013		15/01/2031		15/01/2047	
	00/00/0000	चंद्र	15/11/1996	मंगल	13/06/2006	राहु	28/09/2015	गुरु	04/03/2033
	00/00/0000	मंगल	16/06/1997	राहु	01/07/2007	गुरु	20/02/2018	शनि	15/09/2035
	16/10/1991	राहु	15/12/1998	गुरु	06/06/2008	शनि	27/12/2020	बुध	21/12/2037
राहु	02/02/1992	गुरु	15/04/2000	शनि	16/07/2009	बुध	17/07/2023	केतु	27/11/2038
गुरु	21/11/1992	शनि	15/11/2001	बुध	13/07/2010	केतु	03/08/2024	शुक्र	28/07/2041
शनि	03/11/1993	बुध	16/04/2003	केतु	09/12/2010	शुक्र	04/08/2027	सूर्य	16/05/2042
बुध	09/09/1994	केतु	15/11/2003	शुक्र	09/02/2012	सूर्य	28/06/2028	चंद्र	15/09/2043
केतु	15/01/1995	शुक्र	16/07/2005	सूर्य	15/06/2012	चंद्र	27/12/2029	मंगल	21/08/2044
शुक्र	15/01/1996	सूर्य	15/01/2006	चंद्र	14/01/2013	मंगल	15/01/2031	राहु	15/01/2047

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/01/2047		15/01/2066		15/01/2083		15/01/2090		16/01/2110	
15/01/2066		15/01/2083		15/01/2090		16/01/2110		00/00/0000	
शनि	18/01/2050	बुध	12/06/2068	केतु	13/06/2083	शुक्र	16/05/2093	सूर्य	05/05/2110
बुध	27/09/2052	केतु	10/06/2069	शुक्र	12/08/2084	सूर्य	16/05/2094	चंद्र	04/11/2110
केतु	06/11/2053	शुक्र	09/04/2072	सूर्य	18/12/2084	चंद्र	15/01/2096	मंगल	12/03/2111
शुक्र	05/01/2057	सूर्य	14/02/2073	चंद्र	19/07/2085	मंगल	16/03/2097	राहु	17/10/2111
सूर्य	18/12/2057	चंद्र	16/07/2074	मंगल	15/12/2085	राहु	17/03/2100		00/00/0000
चंद्र	20/07/2059	मंगल	14/07/2075	राहु	03/01/2087	गुरु	16/11/2102		00/00/0000
मंगल	27/08/2060	राहु	30/01/2078	गुरु	10/12/2087	शनि	16/01/2106		00/00/0000
राहु	04/07/2063	गुरु	07/05/2080	शनि	17/01/2089	बुध	16/11/2108		00/00/0000
गुरु	15/01/2066	शनि	15/01/2083	बुध	15/01/2090	केतु	16/01/2110		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।